Roll No. .....
Printed Pages : 3

283

BAM / A-15

HINDI COMPULSORY

Time allowed : 3 hours] *[Maximum marks : 80*

नोट : सभी प्रश्न करना अनिवार्य है।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 6+6

(क) मिला सत्य का हमें पुजारी
सफल काम उस न्यासी का,
मुक्ति-लाभ कर्त्तव्य यहां है
एक-एक अनुयायी का।

(ख) नवगति, नवलय, ताल छंद नव
नवल कंठ, नव जलद-मन्द्र रव
नव नभ के नव विहग वृंद को
नव पर नव स्वर दे !

(ग) मिट्टी से जो छीन लिया है वह तज देना धर्म नहीं है ;
जीवन साधन की अवहेलना कर्मवीर का कर्म नहीं है !

(घ) बरसाती आँखों के बादल-बनते जहाँ भरे करुणा जल,
लहरें टकरातीं अनंत की-पाकर जहां किनारा
अरुण ! यह मधु मय देश हमारा !

2. अज्ञेय की भाषा-शैली की समीक्षा कीजिए। 8

अथवा

रामधारी सिंह दिनकर की काव्य-कला की समीक्षा कीजिए।

अथवा

जय शंकर प्रसाद के काव्य की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

3. 'अन्धेर नगरी' नाटक में व्यक्त राजनीतिक चेतना पर विचार कीजिए। 8

अथवा

'अन्धेर नगरी' नाटक के प्रमुख दो पात्रों का परिचय दीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 9+9

(क) उपन्यास कला की दृष्टि से 'जहाज का पंछी' की समीक्षा कीजिए।

(ख) 'जहाज का पंछी' उपन्यास के केन्द्रीय विषय का विवेचन कीजिए।

(ग) 'जहाज का पंछी' उपन्यास की संवाद योजना पर विचार कीजिए।

5. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 7+7

(क) मानव कल्पना का ही रहस्यवादी प्रतीक है भगवान की कल्पना। विशुद्ध भगवान का अर्थ है, विशुद्ध मानव। स्वप्न भगवान का अर्थ है, स्वप्न-मानव।

(ख) 'गर डर है तेग़ फौलादी का, तो नाम न ले आजादी का।
मातम है इस जाशादी का, यह मन्तर है बरबादी का।
कुछ करना है तो करके दिखा और जीना है तो मरके दिखा।'

(ग) ''मुझे बंगला नहीं आती। मैंने जो गद्यकाव्य लिखे हैं, वह मेरी अपनी ही उमंग है। सन् 1913 की रामनवमी को मैंने 'जिओ और जीने दो'- नामक प्रथम गद्यकाव्य लिखा था।

(घ) तभी एक रात उन्होंने जैनेन्द्र से कहा- जैनेन्द्र, लोग ऐसे समय ईश्वर को याद किया करते हैं। मुझे भी याद दिलाई जाती है। पर अभी तक मुझे ईश्वर को कष्ट देने की जरूरत नहीं मालूम हुई। 'शब्द हौले-हौले थिरता से कह गये थे और मैं अत्यन्त शान्त, नास्तिक सन्त की शक्ति पर विस्मित था।'

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर दीजिए : 5+5

(क) 'बयालीस के ज्वार की लहरों में' शीर्षक संस्मरण का सार।

(ख) 'पुरुष और परमेश्वर' शीर्षक रेखाचित्र की विशेषताएं बताइए।

(ग) जीवनी के मानक तत्वों के आधार पर 'प्रेमचन्द : लमही में जन्म एवं अन्तिम बीमारी' की समीक्षा कीजिए।

(घ) माधव प्रसाद मिश्र के पत्रों का सार अपने शब्दों में लिखिए।

7. प्रयोगवादी काव्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 10

अथवा

हिन्दी उपन्यास के उद्भव एवं विकास पर प्रकाश डालिए।